Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to introduce air services from Kishangarh Airport of Ajmer.

डॉ. रघु शर्मा (अजमेर): अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान अपने निर्वाचन क्षेत्र की ओर आकृष्ट करना चाहता हूं। वह एक ऐतिहासिक जगह है। सम्राट पृथ्वीराज की नगरी है और हिन्दुस्तान में एक मात्र धार्मिक स्थल पुष्कर में जगत गुरु ब्रह्मा जी का मंदिर है। वहां ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह है। वहां पर मार्बल और ग्रेनाइट का अंतर्राष्ट्रीय बाजार है। वहां 30-35 सालों से लगातार हजारों लोगों का आना-जाना लगा रहता है। वहां लोग सिर्फ रेल मार्ग और सड़क मार्ग के द्वारा जाते हैं। 30-35 सालों यह मांग उठती आ रही थी कि वहां नया हवाई अड्डा बनाया जाए। मैं यूपीए सरकार के प्रधान मंत्री आदरणीय मनमोहन सिंह जी और यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी जी को धन्यवाद देना चाहता हूं कि हवाई अड्डे के लिए जो नॉर्म्स बने हैं, उनमें शिथिलता देते हुए, अजमेर को नए हवाई अड्डे की सौगात दी गई। वहां के लिए 161 करोड़ रुपये का प्रोजैक्ट बना। हमारे प्रधान मंत्री जी ने वर्ष 2012-13 में इसका भूमि पूजन करके शिलान्यास कर दिया। वर्ष 2014 में सरकार बदल गई। वर्ष 2016 से यह हवाई अड्डा बन कर तैयार है।

मैडम, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर आकृष्ट करना चाहता हूं कि हम ने क्या गुनाह किया है कि वर्ष 2016 से ले कर आज तक हर महीने उस हवाई अड्डे के मैनटेनैंस पर डेढ़ करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं। अभी अजमेर का उप चुनाव आया तो चुनाव में फायदा लेने के लिए इन्होंने भारत सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्री जी को वहां बुलाया। उनसे फीता कटवा कर उसका उद्घाटन किया गया। दो दिन हवाई सेवा चालू करने का नाटक हुआ। बीजेपी के एमएलए को दिल्ली से एयर लिफ्ट करके किशनगढ़ एयरपोर्ट पर उतार दिया। आज तक इतने सालों से वहां हवाई अड्डा बन कर तैयार है, उसके लिए एकड़ों जमीन ली गई है लेकिन आज भी यह हवाई अड्डा जनता की सेवा के लिए चालू नहीं है। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इतना लंबा भाषण जीरो अवर में नहीं दिया जाता है।

...(व्यवधान)

डॉ. रघु शर्मा : अध्यक्ष महोदया, जनता से जुड़ा हुआ मुद्दा है।

माननीय अध्यक्ष : मैं आपको बोलने का अवसर दे रही हूं।

...(व्यवधान)

डॉ. रघु शर्मा: अध्यक्ष महोदया, सरकार नाम की कोई चीज है या नहीं है। ...(व्यवधान) यह तो हद हो रही है।...(व्यवधान) पब्लिक डिमांड हो रही है। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप अपनी मांग के बारे में बोलिए।

डॉ. रघु शर्मा: अध्यक्ष महोदया, सरकार का पैसा खर्च हो गया लेकिन लोगों को फायदा नहीं मिल रहा है। ...(व्यवधान)